(a) the total amount advanced as loan to different States during the years 1960-61 and 1961-62; and

(b) the loan given to various foreign countries during the above period?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI B. R. BHAGAT): (a) and (b) Sums of Rs. 339 crores and Rs. 13 crores were advanced to the State Governments and the foreign countries respectively during the year 1960-61. Actuals for 1961-62 are not yet available but provision of Rs. 457 crores for the States and Rs. 6 crores for foreign Governments was included in the final estimates for that year.

SHRI R. P. N. SINHA: Are Government satisfied that the loans which have been given to the States are properly utilised? Do they make any enquiry about it?

SHRI B. R. BHAGAT: Yes, we are satisfied that they are being utilised properly and for the purposes mentioned.

SHRI N. C. KASLIWAL: May I know which is the State which has received the largest amount?

SHRI B. R. BHAGAT; In the year 1960-61 Uttar Pradesh received Rs. 42.23 crores. That is the highest amount.

# एम० डो० होम फार चिल्ड्रेन, ग्रानन्द पर्वत, हिल्ली

\*६९८. श्री नवार्बासह चौहान क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रशासन के समाज कल्याण निदेशालय, ने मौडल टाउन के शिशु निकेंतन के एम० डी० ऐनक्सी का नाम बदल कर एम० डी० होम फार चिल्ड्रेन रखकर उसे आनन्द पर्वत, दिल्ली को स्थानान्तरित कर दिया था;

to Questions

(ख) यदि हां, तो यह कब श्रौर क्यों किया गया था;

(ग) ऐनक्सी से कितने लड़के होम को स्थानन्तरित किये गये और गत १४ जुलाई तक इन लड़कों की संख्या में कितनी वृद्धि हई;

(घ) ऐनक्सी में कितना स्टाफ था और इस समय होम में कितना स्टाफ है; इन दोनों में से प्रत्येक में मासिक वेतनों पर कितना-कितना व्यय होता है और कुल मिला कर औसत मासिक व्यय कितना है; और

(ङ) इस संस्था से कितने बच्चे अब तक स्वस्थ मस्तिष्क होकर चले गये हैं ?

### f[M. D. Home for Children, Anand Parbat, Delhi

-628. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Directorate of Social Welfare, Delhi Administration had changed the name of M. D. Annexe of Shishu Niketan, Model Town, to M. D. Home for Children and transferred it to Anand Parbat, Delhi;

(b) if so, when and why it was done;

(c) how many boys from the Annexe were transferred to the Home and what has been the increase in the number of these boys up to 15th July, last;

(d) what was the strength of the staff in the Annexe and what is the strength of the staff in the Home at present, what are the figures of expenditure on monthly salaries in respect of each of them and what is

t[] English translation.

(e) how many children have gone out of this institution with sound minds?]

शिक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती सुन्दरम् रामचन्द्रन्) : (क) से (ङ) ग्रपेक्षित सूचना का एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

# विवरण

.

(क) जी नहीं। माडल टाउन के शिशु निकेतन में कोई एम० डी० उप-भवन नहीं था। हां, मानसिक-म्रवरुद्ध बच्चों के लिए माडल टाउन के बाल-गृह में एक उप-भवन म्रवश्य था। इस उप-भवन को, तृतीय पंचवर्षीय भ्रायोजना के म्रन्तर्गत, मानन्द पर्वत पर स्थापित मानसिक-म्रवरुद्ध व्यक्तियों के लिए नए स्कूल ग्रौर गृह में, नवम्बर, १९६१ में, मिला दिया गया था।

(ख) उपरोक्त (क) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(ग) उप-भवन से १२ लड़कों का तबादला किया गया है त्रौर इस संख्या में १५ जुलाई, १९६२ तक १९ की घोर बढ़ोतरी हुई है।

(घ) विवेरण संलग्न है (नीचे देखिये)।

(ङ) मानसिक हीनता शारीरिक उत्पति है। यह मानसरोग (पागलपन) से भिन्न है ग्रीर ग्रसाध्य है। मानसिक-अवरुद्ध बच्चों की हीनता के ग्रसर को उन्हें उपयुक्त हालतों में विशिष्ट प्रशिक्षण देकर कम किया जाता है। इसलिए उन्हें स्वस्थ मस्तिष्क के साथ बाहर भेजने का प्रश्न नहीं उठता;

# माडल टाउन, दिल्ली में बालगृह उप-भवन और मातसिक ग्रवचद्ध व्यक्तियों के लिए स्कूल और गृह का स्टाफ

मानसिक ग्रवद्य व्यक्तियों के लिये स्कूल ग्रौर गृह स्टाफ को स्थिति								
e: • • `	पद क	ा नाम	·		-	ों भरे गये पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या	
<b>श्रधीक्ष</b> क	•	•	•	•	8		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
चिकित्सा ध	<b>प्रधिका</b> री	( ग्रं शकार्ग	लेक)		۶	t .	_`` ••	
नर्स-एवं-का व्यावसायिय		- ₹2	•	•	<	رون اندرد اندرد	, the strip	
केस वर्कर	•	•	•	•	8	ne t <b>e</b> ister	) <sup>2</sup>	
ग्रब्यापक	•	•	•	•			n n <b>t</b> er ter t	
मेट्रन	•	1. A.		•	States -	مر مردوسه ا		
म्रवर श्रेणी	লিদিক	•	•	•		•	••••••••••••••••••••••••••••••••••••••	
प्रभोक्षक	•	•		•	Ę	Mata 🍋 🖓	<b>१</b> में "	
रसोइए	•	•	•	•	२	२	••	

3282

3283	283 Oral Answers		[2	27 AUG.	1962 ]	to Questions	<i>s</i> 3284
q	द का नाम				वीकृत पदों की संख्या	भरे गये पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
झाड़ू	देने वाले				२	2	
कार्याल	लय चपरासी				१	۶	
		, जोड़		:	28	१६	×
						· · · · ·	
	केवेतन पर म			व्यय	0×.0 =.	. <b>.</b> .	
	क वतन पर म मासिक व्यय		• •	•	१४७१ ह० ३७३३ ह०		

बाल गृह उप-भवन स्टाफ की स्थिति स्वीकृत पदों भरे गये पदों रिक्त पदों पद का नाम की संख्या की संख्या की संख्या केस वर्कर ę \$ • • . ग्रघ्यापक २ 2 १ • . मेट्रन ę ş . • . . . ग्राफिस वॉय १ 8 • • • • • रसोइया 8 ş • • • . . स्रभीक्षक ş २ 8 . ٠ . . झाड़ू देने वाला ę ş •• • . • জাহ 80 5 २ •

व्यय स्टाफ के वेतन पर मासिक व्यय . . ५७५'०० रुपये फुटकर मासिक व्यय . . १६००'०० रुपये

3286

tITHE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION (Shri MATI SOUNDARAM RAMACHANDRAN) (a) to (e) A statement giving the requisite information is laid on the Table of the House.

## STATEMENT

(a) No, Sir. There was no M. D. Annexe of Shishu Niketan at Model Town. There was, however, an annexe of Children Home at Model Town for mentally deficient children. This annexe was merged with the new School and Home for Mentally Retarded Persons established at Anand Parbat under the Third Five Year Plan in November. 1961.

(b) In view of (a) above, the question does not arise.

to *Questions* 

(c) Fifty-two boys have been transferred from the annexe and the number has increased by nineteen up to 15th July, 1962.

(d) A statement is enclosed. [See belotu.]

(e) Mental deficiency is of constitutional origin. It is different from insanity and is incurable. The effects of deficiency of the retarded children are minimised by giving them specialised training under suitable conditions. The question of sending them out with a sound mind therefore does not arise.

.

## Staff position in the School and Home for the Mentally Retarded and the Children's Home Annexe at Model Town, Delhi

## SCHOOL AND HOME FOR MENTALLY REFARDED.

-

Staff position

Nome of	ſth	e Post	:					ŧ	No. of posts inctioned	No. of posts filled	No. of posts vacant
Superintende	nt	•		•	•			•	I	I	
Medical Offic	ær (l	Part Ti	ime)	•		•		•	r	ī	
Nurse-cum-co	mp	ounder	•		٠	•		:	I	<b>*</b> <sup>′</sup> •	I
Occupational	l Th	erapist				• .		.•	I	••	I
Case worker	•	•			•		•		I	I	••
Teachers			•	•	•	•		•	3	2	I
Matron	•		•					•	I.	••	I
L.D.C.				•	•		2	•	I	ľ,	- 
Care-takers			•			•	•	•	6	5	I
Cooks	•		•			•		•	2	2	••
Sweepers	٠	•	•	•	•	• '	•		2	2	••
Office Peon	•	•	•	•	٠	•	•	•	I	I	••
						1.1	Тот	L	21		- <u> </u>

†[ ] English translation. . · -

CHILDREN'S HOME ANNEXE

Monthly expenditure on contingencies ......Rs. 3,733 · 19 nP.

		Staff Position					ана — Ул				
Name	oft	the Po	st			··		·	No.of posts sanctioned	No. of posts filled	No. of posts vacan t
Case worker									I	I	
Teachers		•		•	1.	•		2	2	I	1
Matron					!.	•			T	I	
Office boy		•	•		•				I	I	
Cook	•	•		•	•				ľ	t	
Care Taker		•					•		3	2	. <b>1</b>
Sweeper	•	•	•	•	· ·	•	•	•	I	I	**
									- <u></u>	8	2
• • • • 2 * • •							Ex	PENI	DITURE		<b></b>

Monthly expenditure on salaries of the staff......Rs. 878.00 nP. Monthly expenditure on contingencies ......Rs. 1600.00 nP

	श्री	नवार्बासह	चौहान	:	ग्रापने
इस	स्टेट	मेन्ट में कहा	है कि :		

This annexe was merged with the new School and Home for Mentally Retarded Persons established at Anand Parbat under the Third Five Year Plan in November 1961.

तो क्या आप यह बतलाने की रूपा करेंगी कि मेन्टली रिटार्डेंड परसन्स के लिये आनन्द पवत का जो स्कल था उसमें कितने इन्मेट्स जम वक्त थ जब यह स्कल मिलाया गया ?

How many inmates were already there in that School?

SHRIMATI SOUNDARAM RAMA-CHANDRAN: The annexe was in the Children Home where mentally retarded children also were kept. But it was felt that a separate home was necessary because these children needed separate treatment and sparate guidance and education and everything. They could not be put with the normal children. That is why this new Home was established at Anand Parbat in which not only children but adults also were taken. It is given in the statement that there were originally 52 and 19 more were taken after it had been shifted to Anand Parbat.

श्री नवाबसिंह चौहान : वह जो पहले एनेक्सी था उसमें ५२ लड़क थे ग्रीर ग्रब तक १६ लड़के ग्रीर उसमें 'एड'' हुए हैं। तो क्या हम समझ लें कि वह उसमें मर्ज हो ग्या या वे समझ लें ? ग्रापने जो स्टेटमेन्ट दिया हुग्रा हैं इसमें दुगने कर्मचारी कर दिये, दुगुना खर्च कर दिया ग्रीर क्या वजह हैं कि उसको ग्रलग स्कूल का, नाम दिया जाय ?

SHRIMATI SOUNDARAM RAMA-CHANDRAN: It is true that the expenses have gone up, nearly double, but at the same time if you see that staff pattern, we are providing for

3288

m'ore teachers and trying to give them not only education but vocational training and everything. So, in the initial stages, even though the expanses look higher, even if you take 20 or 30 more children, the expenses will not increase, and the per capita expenditure will not be high. In the initial stages it looks higher.

श्री नवाबसिंह षौहान: जैसा कि विवरण में दिया है, इसमें सुपरिन्टेन्डेन्ट बढ़ गया है, कुछ एल० डी० सीज० बढ़े हैं ग्रीर दो टीचर्स बढ़ाये गये हैं--- इन्हीं का खर्च बढ़ा हैं। क्या एनेक्सी में ही एक मेडिकल ग्राफ़िसर, जैसेकि एक नर्स कम कम्पाउन्डर पार्ट टाइम है, बढ़ा कर नहीं किया जा सकता था ग्रीर यह जो नयी योजना है क्या इससे नहीं समझा जा सकता कि कुछ ग्रादमियों को काम पर लगाने के लिये इस किस्म की स्कीम रची गई, जिसके ऊपर इतनी रकम लग गई ?

DR. K. L. SHRIMALI: This kind Of insinuation is highly unjustified. The hon. Member should know that the education of mentally retarded children is a highly specialised subject, and it requires highly technical personnel. If the Government have set up a separate institution for these unfortunate children, it should be rather welcomed than criticised, and the hon. Member should not make such insinuations.

•628 and \*630. [The questioner (Shri Mahabir Dass) was absent. For answers, vide cols. 3302-3303 infra.]

\*«31. [Transferred to *the 3rd September*, 1962.]

\*632. [The questioner (Shri B. D. Khobaragade) was absent. For answer, vide cols. 3303-3304 infra.]

COST OP REMOVAL OF OVER-BURDEN AT COAL QUARTES

♦633. SHRI SURJIT SINGH ATWAL: Will the Minister of MINES AND FUEL be pleased to state whether it is a fact that the cost of over-burden removed by Contractors at the National Coal -Development Corporation coal quarries is much less than the cost of over-burden removed by the National Coal Development Corporation directly with its machineries?

THE MINISTER OF MINES AND FUEL (SHRI K. D. MALAVTYA): NO Sir.

If all the legitimate elements of cost, as for example Labour Appellate Tribunal Award, are included, the costs o\* overburden removal by the National Coal Development Corporation departmental^ are lower as compared to those of the contractors', under comparable physical conditions.

SHRI SURJIT SINGH ATWAL: If the cost of raising over-burden by the N.C.D.C. is less, then may I know why the contractors are provided •uch jobs of removal of over-burden?

SHRI K. D. MALAVIYA: Does the hon. Member ask as to why the work should be given to the private sector, to  $th_e$  contractors?

SHRI SURJIT SINGH ATWAL: Why are the contractors given the job of removing the over-burden by the N.C.D.C?

SHRI K. D. MALAVIYA: It is a matter of convenience and availability of facilities. In a short time, more work is to be done and bbviously, we ask the N.C.D.C. to share the work with the contractors.

SHRI SURJIT SINGH ATWAL: May I know whether it is a fact that the N.C.D.C. is not in a position to remove the over-burden itself and carry out the work speedily without giving the contract to other persons?

SHRI K. D. MALAVIYA: No, Sir. It is a question of the N.C.D.C. doing it itself and also getting the frock

329